अभिनय एसआरएमएस रिद्धिमा के मंच पर हुआ महाभारत के युद्ध का मंचन

मोह, लोभ, हिंसा से अंधायुग में बदल गया द्वापर

पुत्र मोह में अंधी गांधारी, पिता की हत्या के बदले की आग में झुलसा अश्वत्थामा

bareilly@inext.co.in

BAREILLY (8 Sept): असत्य के शोर में जब सत्य खोने लगे, मोह जब आसक्ति में बदल जाए, मर्यादाएं तार तार होकर टूटने लगें. नैतिकता जब सिर्फ दूसरों के उपदेश की बात हो जाए तब द्वापर के बाद शुरू होता है अंधायुग. इन्हीं भावनाओं को समेटे महाभारत युद्ध के 17वें दिन के बाद का मंचन आज एसआरएमएस रिद्धिमा में हुआ.

जीवंत किया कुरुक्षेत्र का युद्ध

अंबुज कुकरेती के निर्देशन में धर्मवीर भारती के नाटक अंधायुग ने दर्शकों के सामने रिद्धिमा में नया मुकाम हासिल किया. कुरुक्षेत्र में 17वें दिन के युद्ध के बाद हस्तिनापुर में सूने राजमहल में सैनिक पहरा देने की औपचारिकता निभा रहे हैं. पिता दोणा की हत्या की प्रतिहिंसा की आग में झुलस रहा एक तरफ अश्वत्थामा है तो दूसरी तरफ पुत्रों की हत्या में दग्ध धृतराष्ट्र और गांधारी. सभी को पांडवों से बदला लेना है. अश्वत्थामा को उसके मामा कृपाचार्य कौरव सेनापति बनाते हैं. अश्वत्थामा रात में पांडवों के खेमे पर आक्रमण कर देता है. अश्वत्थामा सो रहे पांडव सेनापति और अपने पिता द्रोण की हत्या करने वाले धृष्टद्युम्न को मार देता है. फिर पांडव समझ कर उनके पुत्रों की भी सोते समय हत्या कर देता है. अर्जुन को मारने के लिए ब्रह्मास्त्र चलाता है. अर्जुन भी उसका जवाब ब्रह्मास्त्र से देते हैं. ऐसे में व्यास पहुंचते हैं और दोनों को सावधान कर ब्रह्मास्त्र वापस लेने का आदेश देते हैं. अर्जुन ब्रह्मास्त्र वापस ले लेता है लेकिन अश्वत्थामा ब्रह्मास्त्र की दिशा अभिमन्यु की पत्नी उत्तरा के गर्भ की ओर मोड़ देता है. भगवान श्रीकृष्ण गर्भ की रक्षा करते हैं और अश्वत्थामा के सिर से मणि निकाल कर उसे युगों युगों तक धरती पर भटकने का श्राप देते हैं.

कलाकारों ने किया भावपूर्ण अभिनय.

कृष्णा को दिया श्राप

युद्ध के मैदान पर गांधारी दुर्योधन का शव पाकर वह चित्कार उठती है. श्रीकृष्ण को श्राप देती है. वह कहती है कि जिस तरह उसका वंश खत्म हुआ है. यदुकुल भी श्रीकृष्ण के सामने ही समाप्त होगा. लेकिन बाद में गांधारी को श्राप का भान होने पर फिर पश्चाताप होता है. वह श्राप को पलटने और न स्वीकार करने के लिए अनुरोध करती है लेकिन श्रीकृष्ण कहते है. जब जब मनुष्य सत्य की मर्यादा तोड़ेगा, लोभ में अंधा होकर प्रतिहिंसा में डूबेगा उसके साथ वैसा ही होना है. जो गांधारी ने कहा है. वे गांधारी को आश्वासन देते है कि आने वाला युग इसी तरह के मनुष्यों का होगा. वह इस अंधेयुग को सत्य और धर्म अनुसार आचरण से बदलने की शक्ति रखेंगे. इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति जी, आशा मूर्ति जी, आदित्य मूर्ति जी, ऋचा मूर्ति जी, इंजीनियर सुभाष मेहरा, डा.प्रभाकर गुप्ता, डा.अनुज कुमार, डा.राघवेंद्र शर्मा, डा.दीपशिखा शर्मा सहित शहर के संभ्रांत लोग मौजूद रहे.

छात्रों को प्रवेश का अंतिम मौका

BAREILLY: बरेली कालेज के प्रवेश समंवयक डा. वीपी सिंह ने बताया कि सभी मेरिट लिस्ट में अर्ह अभ्यर्थी जिन्होंने अभी तक प्रवेश नही लिया है वह गुरुवार को दोपहर 12 बजे तक आवेदन सेमीनार कक्ष में जमा कर सकते हैं. जिससे मेरिट के आधार पर उन्हें प्रवेश दिया जा सके. जो कि उनके लिए अंतिम मौका है. इसके बाद शेष सीटों के लिए महाविद्यालय विलंब शुल्क के साथ महाविद्यालय में प्रवेश के लिए पांचवी मेरिट लिस्ट जारी करेगा.